भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
खेल विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 639

उत्तर देने की तारीख 4 फरवरी, 2021
15 माघ, 1942 (शक)

स्टेडियमों का निर्माण

639. श्री अजय कुमार मंडलः
श्री फिरोज़ वरुण गांधीः

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण क्षेत्र और छोटे शहरों सहित राज्य, जिला और ब्लॉक/पंचायत स्तर पर स्टेडियमों का निर्माण करने का निर्णय लिया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस दिशा में अब तक क्या प्रगति हुई है;

(ग) विगत दो वर्षों के दौरान देश के ब्लॉक और पंचायत स्तर पर आज तक बनाये गये स्टेडियमों की राज्य-वार संख्या कितनी है और बिहार और भागलपुर जिले सहित उन जिलों की संख्या कितनी है जहां ब्लॉक और पंचायत स्तरों पर स्टेडियमों का निर्माण किया गया है और वहां कितने स्टेडियम बनाने का विचार है;

(घ) क्या विगत पांच वर्षों के दौरान सरकार के सहयोग से किसी नगरपालिका में किसी स्टेडियम का निर्माण किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ड.) क्या इस हेतु प्रदान की गई निधि पूरी तरह से अपर्याप्त है; और

(च) यदि हां, तो वर्तमान योजना को बेहतर बनाने और इसे अधिक व्यवहार्य बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है ?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री किरेन रीजीजू)

(क) से (ग) खेल राज्य विषय होने के कारण देश में राज्य, जिला और ब्लॉक/ पंचायत स्तर पर स्टेडियमों के निर्माण का उत्तरदायित्व संबंधित राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र सरकारों का है । केंद्र सरकार केवल उनके प्रयासों की पूर्ति करती है । इस मंत्रालय में राज्य, जिला और ब्लॉक/ पंचायत स्तर पर स्टेडियमों के निर्माण का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है । इस मंत्रालय ने विगत दो वर्षों के दौरान बिहार सहित किसी भी राज्य में किसी नए स्टेडियम को संस्वीकृत/ निर्माण नहीं किया है । तथापि, यह सूचित किया जाता है कि बिहार राज्य में हाल ही में दिसंबर, 2020 में दस खेल अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिसमें भागलपुर जिले में दो परियोजनाएं नामत: तिलका मांझी, भागलपुर विश्वविद्यालय में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण और बिहार कृषि विश्वविद्यालय, सबौर परिसर में तरणताल का निर्माण शामिल है ।

(घ) जी, नहीं ।

(ड.) और (च) प्रश्न नहीं उठता ।

*****